कार्यशाला की रिपोर्ट

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर [प.बं.] में दिनांक 18.09.2017 को **"राजभाषा के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी का योगदान"** विषयक एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य अधिकारियों/पदधारियों को राजभाषा हिंदी के प्रावधानों के सम्यक जानकारी देने के साथ ही राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के कार्यान्वयन में और भी गतिशीलता लाने की दृष्टि से राजभाषा विभाग द्वारा विकसित ई-टूल्स यथा मंत्रा, ऑनलाइन हिंदी शिक्षण, श्रुतलेखन आदि कतिपय उपकरणों की जानकारी प्रदान करना था। इस दौरान संस्थान के कुल 24 अधिकारियों को राजभाषा नीति व इसके उपबंधों के सठीक अनुपालन व नियमों और विधियों से अवगत कराया गया।

कार्यशाला के आरंभ में संस्थान की निदेशक डॉ. कणिका त्रिवेदी महोदया द्वारा क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय [पूर्व क्षेत्र], गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार, कोलकाता से पधारे अतिथि वक्ता श्री निर्मल कुमार दुबे, अनुसंधान अधिकारी [कार्यान्वयन] को पुष्प पौध से स्वागत तथा उन्हें हिंदी कार्यशाला के संचालन हेतु आंमत्रित किया गया।

तत्पश्चात, निर्मल कुमार दुबे, अनुसंधान अधिकारी [कार्यान्वयन] ने राजभाषा हिंदी के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों, उपबंधों व इसके प्रचार-प्रसार हेतु केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर उठाए जा रहे नित-नए प्रयासों से सभी अधिकारियों को अवगत कराने के साथ ही साथ कार्यालय में हिंदी के अनुपालन संबंधी कठिनाईयों को दूर करने के सरल और सहज उपायों पर विशद रुप से प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त, राजभाषा हिंदी से संबंधी अनुच्छेद 343 से 350 तक के अंतर्गत निहित नियमों तथा इसकी महत्ता व उपयोगिता पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इसके अलावे, उन्होंने राजभाषा प्रावधानों व नियमों अर्थात् धारा 3(3), राजभाषा नियम-5 व नियम-11 के संबंध मे विस्तृत जानकारी देने के अलावे उन्हें तिमाही प्रगति रिपोर्ट को भरने और संसदीय समिति की अपेक्षिताओं की पूर्ति से संबंधित जानकारी दी।

कार्याशाला के समापन समारोह के दौरान संस्थान की निदेशक महोदया, डॉ. कणिका त्रिवेदी द्वारा अपने अध्यक्षीय अभिभाषण के दौरान इस बात पर हर्ष व्यक्त की कि आज का हिंदी कार्यशाला अत्यंत ज्ञानवर्धक और रोचक रहा। हम, यह उम्मीद करते हैं कि इससे सभी अधिकारियों को भरपूर लाभ मिलेगा और वे इसका

उपयोग अपने दैनांदिन के सरकारी कामकाज में कर राजभाषा हिंदी में अपना-अपना काम सहजता पूर्वक निष्पादित कर सकेंगे। साथ ही साथ वे इसकी जानकारी अपने सहकर्मियों को देकर उन्हें भी अपना कार्य हिंदी में निष्पादित करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे जिसके फलस्वरुप राजभाषा हिंदी के कार्यों मे गति आएगी तथा तत्संबंधी प्रावधानों का सम्यक अनुपालन भी सुनिश्चित होगा। उनके द्वारा आगे भी इस तरह के हिंदी कार्यशाला के आयोजन पर बल दिया गया। तत्पश्चात, निदेशक महोदया एवं श्री निर्मल कुमार दुबे, अनुसंधान अधिकारी [कार्यान्वयन] द्वारा इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।

सर्वशेष में श्री आर. बी. चौधरी, सहायक निदेशक [राभा] के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।